जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक : *भोगल*
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 134
दिनांक 13.11.2021

कृषि विवि में जवाहर राबी 60 दिनी स्टार्टअप्स् प्रशिक्षण संपंन

भारत सरकार चयनित स्टार्टअप्स् को 5 लाख एवं 25 लाख ग्रान्ट देगी

जबलपुर 13 नवम्बर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान द्वारा आयोजित 2 माह के कृषि स्टार्टअप्स् के ओरियेंटेशन एवं इन्क्युबेशन कार्यक्रम के समापन समारोह में कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन ने अध्यक्षीय उदबोधन में कहा कि इस 2 माह के अनवरत इन्क्युवेशन और ओरियेंटेशन कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों से कुल 31 स्टार्टअप्स ने प्रशिक्षण प्राप्त किया और अपने अभिनव संकल्पनाओं को व्यावसायिक रूप देने हेतु कड़ी मेहनत की तथा आत्मनिर्भर भारत के हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी के सपनों को साकार करने में यह स्वाभाविक रूप से एक अहम भूमिका निभायेगें। कृषि क्षेत्र में नये अवसर एवं व्यापार की संभावनाओं और नवाचार पर प्रकाश डालते हुए 2022 तक किसानों की आय को दोगुना करने के लिए नवाचारों की भूमिका अहम होगी। महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ, राहुरी के कुलपति प्रो. पी.जी. पाटिल मुख्य अतिथि रहे। विशेष अतिथि अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे, प्रमुख अतिथि संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ. जी.के. कौतु, संचालक शिक्षण डॉ. अभिषेक शुक्ला, संचालक प्रक्षेत्र डॉ. डी.के. पहलवान, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय डॉ. शरद तिवारी इस अवसर पर उपस्थित थे।

इस अवसर पर प्रशिक्षण प्रमुख एवं सीईओ जवाहर राबी डॉ. एस.बी. नाहतकर ने स्टार्टअप्स् की सफलता से संबंधित विभिन्न प्रमुख आयामों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. पी. जी. पाटिल ने प्रशिक्षण कार्यक्रम को युवा उद्यमियों के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए अपने महत्पूर्ण विचार व्यक्त किये।

इस प्रशिक्षण के पश्चात् आगामी माह में द्वितिय आर आई सी समिति की अनुशंसा के उपरांत चयनित अलग–अलग स्टार्टअप्स् को प्ररेणा कार्यक्रम के तहत रू. 5 लाख रूपये एवं साकार कार्यक्रम के तहत 25 लाख रूपये हेतु ग्रांट इन एड के लिए कृषि मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा।

इस कार्यक्रम को विश्वविद्यालय में संचालित करने हेतु राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, कृषि सहकारिता और किसान कल्याण विभाग, भारत सरकार द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की गयी है। मध्यप्रदेश में अनुठा कार्यक्रम सिर्फ इस विश्वविद्यालय द्वारा ही चलाया जा रहा है।

इस कार्यक्रम में स्टार्टअप्स् ने भी अपने 60 दिवस प्रशिक्षण के अनुभव को साझा किया। विशेष अतिथि डॉ. धीरेन्द्र खरे ने इस कार्यक्रम को और अधिक सफल बनाने हेतु युवा उद्यमियों को विश्वविद्यालय को विभिन्न कार्यक्रमों में सहभागिता तथा भविष्य के कार्यक्रमों हेतु मेंटर के रूप में कार्य करने हेतु आवाहन पर जोर दिया। प्रमुख अतिथि डॉ. जी.के कौतु ने कृषि क्षेत्र में बढ़ते नवाचारों का कृषि अनुसंधान में अहम भूमिका पर और नवाचारों को बाजार की मांग के अनुसार वाणित्यीकरण पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापक डॉ. अनुपमा वर्मा एवं आभार प्रदर्शन श्रीमति लवीना शर्मा, बिजनेस मैनेजर, जवाहर राबी द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सम्पूर्ण जवाहर राबी टीम और कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान के सभी स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा है।

–000–